२ संख्या १

सत्यमेव जयते

बिहार विधान सभा वादवृत्त

सरकारी रिपोर्ट

…िनाप, तिथि २८ जनवरी, १९५३ ।

Vol. II. No. 1

The Bihar Legislative Assembly Debates

Official Report.

…nesday, the 28th January, 1953.

अधीक्षक, राजकीय मुद्रणालय, बिहार,

मूल्य—६ आना]
Price—As. 6.]

विहार विधान सभा वाद-वृत।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में सोमवार, तिथि, २३ फरवरी, १९५३ को पूर्वाह्न ११ बजे में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

DACOITY IN THE HOUSE OF SHRI VISHWANATH TIWARI OF VILLAGE FARUSAHI.

21. **Shri SUKHDEO NARAIN SINGH MAHTHA:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that the Police have taken no steps in connection with the dacoity that took place in January last in the house of Shri Viswanath Tiwari of Village Farusahi, P.-S. Manjhi, District Saran;

(*b*) if so, the reason for the same; if not, what steps have they taken in this connection and with what result?

Shri KRISHNA BALLABH SAHAY: (*a*) The answer is in the negative.

(*b*) The question does not arise.

WARRANTS OF ARREST AGAINST PAHARIAS.

28. **Shri RASH BIHARI LAL:** Will the Minister, in charge of the Revenue Department, be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that warrants of arrest against some Paharias of Rajmahal, Sahibganj hills have been issued by the S. D. O., Sahibganj, and their properties have been seized under sections 88 and 87, Cr. P. C., for their non-appearance;

(*b*) whether it is a fact that the Minister, in charge of Revenue has assured that no interference would be made in the harvesting of Sabai grass grown on their land and cases would be withdrawn;

(*c*) if it is a fact that several Paharias have run away to hills in fear of the atrocities of the local officials and have submitted several representations to the Minister, Revenue, and the Secretary, Revenue Department, alleging *ZULUM* by them against Paharias;

(*d*) if the answers to clauses (*a*) to (*c*) be in the affirmative, will Government be pleased to state what are the contents of the representations and what action have been taken thereon;

(*e*) whether reports have been called for from the local officials and what are the reasons of the delay in the submission of the reports?

(घ) यदि खंड (ग) का उत्तर नकारात्मक है, तो वह सिमेंट क्या हुआ?

डा० अनुग्रह नारायण सिंह—(क) श्री मुन्नालाल अग्रवाल के यहां से निम्नलिखित लोगों को सिमेंट दिया गया था :—

१। अडिशनल कलक्टर चम्पारण को ५०५ बोरा लघु-सिंचाई-योजना के कार्यान्वित में।

२। तुरकौलिया के ठाकुर लाल को ८ बोरा गोशाला को पक्का करने एवं उसमें नाद बनाने के लिए।

(ख) जिन लोगों को सिमेंट दिया गया था उन लोगों ने उसे निर्धारित कार्य में ही खर्च किया।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता।

(घ) प्रश्न ही नहीं उठता।

बिहार राज्य में कुंए बनाने के लिये सरकार द्वारा रुपये का दिया जाना।

३११। श्री शिव व्रत नारायण सिंह—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) बिहार राज्य में किन-किन जिलाओं को किनके द्वारा कितने रुपये कुएं बनाने को दिये गये, १९५१-५२ में कितना और १९५०-५१ में कितना दिया गया;

(ख) किन-किन जिलाओं में उन वर्षों में कितने रुपये खर्च हुए और कितने रुपये साल के अन्त में खर्च नहीं होने पर वापस हो गये;

(ग) रुपये खर्च नहीं होने के क्या कारण हैं, यदि किसी सरकारी कर्मचारी की सुस्ती के कारण रुपया खर्च नहीं हो सका, तो क्या सरकार ऐसे सुस्त कर्मचारियों पर उचित कार्यवाही करेगी;

(घ) अभी भी प्रांत के बहुत से ऐसे क्षेत्र हैं जहां पानी का महान कष्ट है। सरकार उन जलकष्ट इलाकों में क्या करने जा रही है?

डा० अनुग्रह नारायण सिंह—(क) और (ख) कृषि-विभाग ने खेतिहरों को सिंचाई के लिये कुएं खोदने की साहायता की मंजूरी दी है। अपेक्षित सूचना का विवरण पुस्तकालय के मेज पर रखा है।

(ग) बचत प्रधानतः निम्न कारणों से हुई :—

(१) कुएं खोदने के सामानों की कमी।

(२) कुएं खोदने में खेतिहरों का अनिच्छापूर्ण सहयोग।

(३) कार्य को पूरा करने में दलों की असफलता।

(४) कुछ कुएं वित्तीय वर्ष के अन्दर पूरे नहीं किये जा सके। पदाधिकारियों की ढिलाई के कारण बचत नहीं हुई, अतः उन्हें उत्तरदायी ठहराने का प्रश्न ही नहीं उठता।

(घ) यदि ऐसे क्षेत्र प्रकुण्ड कृषि संवर्ग (इंटेंसिव कल्टिवेशन ब्लाक) में पड़ जायं तब वहां सिंचाई के लिये पानी के अभाव को दूर करने के लिए कुएं, नलकूप, खुले बोरिंग, राहट पम्प तथा साधारण या छोटी सिंचाई की योजनाओं को आर्थिक सहायता दी जायगी।

१९५०-५१ में जिला कृषि-पदाधिकारियों को कुंए के लिये आवंटित निधि से हुई बचत का संक्षिप्त विवरण।

क्रम सं०।	पदाधिकारी।	जिला।	१९५०-५१ की कुल वंटित निधि।	१९५०-५१ का कुल व्यय।	बचत।
१	जिला कृषि-पदाधिकारी	पटना ..	४,५२,६००	४,५२,०००	६००
२	"	गया ..	४,०८,०००	४,०८,०००	..
३	"	शाहाबाद ..	३,४०,०००	३,३८,४००	१,६००
४	"	मुजफ्फरपुर	२,५०,०००	२,६८,०००	१८,७००
५	"	दरभंगा ..	१,२८,९००	१,०८,५००	२०,५००
६	"	सारन ..	५,२४,०००	५,२४,०००	..
७	"	चम्पारण ..	७२,६००	७२,६००	..
८	"	भागलपुर ..	१,३६,०००	१,३६,०००	..
९	"	मुंगेर ..	१,९५,०००	१,९३,०००	२,०००
१०	"	पूर्णियां ..	१७,८००	१७,७००	१००
११	"	सहरसा ..	१६,७००	१६,७००	..
१२	"	संथाल परगना	१,५०,०००	१,३९,८००	१०,२००
१३	"	रांची ..	१,८७,०००	१,७८,३००	८,७००
१४	"	पलामू ..	१,००,०००	७३,३००	२६,७००
१५	"	हजारीबाग	८८,९००	८८,९००	..
१६	"	सिंहभूम ..	१,१२,०००	१,१२,०००	..
१७	"	मानभूम ..	२,२१,६००	२,२१,२००	४००

१९५१-५२ में जिला कृषि-पदाधिकारियों को कुएं खोदने के लिये वंटित निधि से हुई बचत का संक्षिप्त विवरण।

क्र० सं०।	पदाधिकारी।	जिला।	१९५१-५२ की कुल वंटित निधि।	१९५१-५२ का कुल व्यय।	बचत।
१	जिला कृषि-पदाधिकारी	पटना ..	३,३६,०००	२,८९,८००	४६,२००
२	"	गया ..	२,७५,०००	१,६१,५००	१,१३,५००
३	"	शाहाबाद ..	२,५३,७००	१,८२,६००	७१,१००
४	"	मुजफ्फरपुर	६८,०००	४९,७००	१८,३००
५	"	दरभंगा ..	६९,०००	२८,१००	४०,९००
६	"	सारन ..	१,५६,०००	१,०५,०००	५१,०००
७	"	चम्पारण ..	४०,२००	८,४००	३१,८००
८	"	भागलपुर ..	१,५८,२००	७०,०००	८८,२००
९	"	मुंगेर ..	२,१८,५००	२,०८,७००	९,८००
१०	"	पूर्णियां ..	१०,३००	५,६००	४,७००
११	"	सहरसा ..	६,८००	१,३००	५,५००
१२	"	संथाल परगना	५५,०००	४३,०००	१२,०००
१३	"	रांची ..	८३,६००	७९,०००	४,६००
१४	"	पलामू ..	६८,०००	५९,३००	८,७००
१५	"	हजारीबाग ..	८०,८००	७९,३००	१,५००
१६	"	मानभूम ..	१,१५,०००	१,१३,२००	१,८००
१७	"	सिंहभूम ..	१७,०००	१२,२००	४,८००